



गणराज। भेंवाड़ विश्वविद्यालय के छज्ज विजय स्तम्भ का श्रमण करते हुए।

इमानदारी और सादगी कठिन परिश्रम : राणा

राष्ट्रीय एकता शिविर का तीसरा दिन रहा दिल्ली, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और तमिलनाडु के नाम

गंगरार। इमानदारी और सादगी बहुत कठिन परिश्रम है इसे बनाये गये। सपाज को सही सन्देश वही देसकता है जो खुद बेदाग हो, इसलिये भ्रष्टाचार और बुराईयों से बचे रहिये। यह चिन्हार मेंवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. के.एस. राणा ने राष्ट्रीय एकता शिविर को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि एक दूसरे सांस्कृतिक विरासत को समझने से हम अधिक तन्मयता से एकीकृत होते हैं। एक-दूसरे से संबाद कर हम और गहराई से जुड़ते

हैं। राष्ट्रीय एकता का भाव हम में प्रख्यात होता है। स्वागत भाषण प्रतिकुलपति आनन्द बद्रीन शुक्ला ने दिया। संचालन जम्मू के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शोनिका हम और धन्यवाद ज्ञापन जम्मू के ही राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर शम्भू नाथ भनहास ने ज्ञापित किया। शिविर के तीसरे दिन सभी एनएसएस बालन्टायर्स को चित्तौद्गढ़ किले का श्रमण कराया गया। इस अवसर पर शिविर समन्वयक डॉ. ज्योति सिंह

राघव, सह समन्वयक बीएस पाल, सहायक समन्वयक डॉ. सौनिया सिंगला, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, गौतम सिंह धाकड़, राज सिंह, रघिन्द्र बर्मा, अंकित नवलराजा, सूरज कुम्हार, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अनुभव सिंह राठौर मौजूद रहे। इसके अलावा दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा के एनएसएस बालन्टायर्स ने दोपहर में खेलकूद गतिविधियों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। संचालन प्रो. शम्भूनाथ ने किया।

समाज को वही सही संदेश दे सकता है जो खुद बेदाग हो: प्रो. राणा

गोवाइ यूनिसिटी में राष्ट्रीय एकता शिविर



गोवाइ, 24 मई (जस.)। हमानदारी और सहायता बहुत कठिन परिश्रम है, इसे बनाये रखना चाहिए। समाज को महीन सन्तान लही दे सकता है जो रुट बेदाग हो, इसलिये धर्मगार और वृगुहें से बचे रहिये।

उन बातें येकड़ विश्वविद्यालय में चुना जायेंगी एवं खेल गंगालय पालन साराजर तथा श्रेष्ठीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा निलगी जायपुर के संयुक्त तत्वाधान में अयोजित सभा द्वितीय राष्ट्रीय एकता शिविर के तीसरे लिंग प्रथम खंड ने देशभर एनएसएस बालनियमें कर्म सम्बोधित करते हुए येकड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. (डॉ.) काएस राजा ने कही। उन्होंने कहा कि एक दूसरे मानवान्तक विगसन को समझने से हम अधिक तत्त्वाधान से एकोक्ता होते हैं। एक दूसरे में मायाद फूल हम और गहराई से जुड़ते हैं। राष्ट्रीय एकता वह भाव हम में प्रचुर होता है, यही इस राष्ट्रीय एकता शिविर का उद्देश्य है। उन्होंने हेश के विभिन्न राज्यों में आये हुए एनएसएस बालनियमें को राष्ट्रीयिता करते हुए जब कि देश के हर राज्य में ऐसे महान व्यक्तियों ने जिन्होंने राष्ट्र को एक सूत्र में जोड़े रखा। उम्मीद है आग सब यो

यहाँ से एकता और भाईचारे का संदेश लेना जायेगा। परिवर्य एवं स्थागित भागण विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठातापाति अनन्द व्याजन शुक्ल ने दिया। कायोगम का भेदालन जम्मू के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मीनिका हस्प और धन्यवाद ज्ञापन जम्मू के ही राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर शाप्तुनाथ गन्हास ने किया।

शिविर के तीसरे दिन सभी एनएसएस वालनियमें को चितौड़गढ़ किले का भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय एकता शिविर की समन्वयक डॉ. ज्योति लिंग राष्ट्र, सह समन्वयक बीएस पाल, साहायक समन्वयक डॉ. गोनिया शिंगला, डॉ. दुमित कुमार पाण्डेय, गीतम मिह छबड़, राज मिह, रविन्द्र चर्मा, अकित नवलज्जा, सुरज कुमार, एनएसएस जायक्रम अधिकारी अनुभव लिंग राहीर, विहूनियलिय वालनियमें को सहायता के लिये मोजूद रहे। इसके अलावा दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, हरिगांगा के एनएसएस वालनियमें ने दोपहर में खेलबहुत गतिविधियों एवं सायंकाल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

समाज को वही सही सन्देश दे सकता है जो खुद बेदाग हो : प्रो. राणा

दुर्ग भूमण पर पहुंचे एवडसएस
वोलेटियर्स। फोटो : पीयूष



चित्तौड़गढ़ (प्रातःकाल संचाददाता)। ईमानदारी और सादगी बहुत कठिन परिश्रम है इसे बनाये रखिये। समाज को मही सन्देश वही दे सकता है जो खुद बेदाग हो; इसलिये भ्रष्टाचार और नुराईयों से बचे रहिये। उक्त बात मेवाड़ विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल पन्नालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्त्वाधान में आयोजित सात दिवस राष्ट्रीय एकता शिविर के तीसरे दिन प्रधम सत्र में देशभर के एनएसएस वालन्टियर्स को सम्मोहित करते हुए कुलपति प्रो. के.एस. राणा ने कही। परिचय एवं स्वागत भाषण कुलपति आनन्द बर्द्दन शुक्ल ने दिया। संचालन चम्पू के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी ढाँ. मोनिका हंस और धन्यवाद ज्ञापन जम्पू के ही राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रो. शम्भू नाथ मनहाज

ने किया। एनएसएस वालन्टियर्स को दुर्ग का भूमण कराया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय एकता शिविर की समन्वयक ढाँ ज्योति सिंह राघव, सह समन्वयक ढाँ एल पाल, सहायक समन्वयक ढाँ. सोनिया सिंगला, ढाँ सुमित कुमार पाण्डेय, गौतम सिंह शाकड़, राज सिंह, रविंद्र वर्मा, अंकित नवलखा, सूरज कुमार, अनुभव सिंह राठौर वालन्टियर्स की सहायता के लिये मौजूद रहे। इसके अलावा दिल्ली, जम्पू-कश्मीर, हरियाणा के एनएसएस वालन्टियर्स ने खेलकूद गतिविधियों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन प्रो. शम्भूनाथ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन अन्नाल एलियर सिल्वी ने किया। कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती वन्दना एवं राष्ट्रीय सेवा योजना गान से तथा सपापन राष्ट्रगान से हुआ। Pratahkal 25-05-2022

समाज को वही सही सन्देश दे सकता है जो खुद बेदाग हो



राष्ट्रीय एकता शिविर

चित्तौड़गढ़, इंपानवारी और मादारै अहुर लिंगन परिवर्तन है उसे बनाये रखिए। समाज को मरी सन्देश बहने के मजला है जो खुद बेदाग हो, इसलिए प्रश्नचार और छुगइयों हैं जब रहें। उक्त अतेरे ऐकाइ विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं छेत्र मन्त्रालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय निरेशालय राष्ट्रीय केंद्रों योजना, जयपुर के मध्यूत तत्त्वाधान में आयोजित सात दिवस राष्ट्रीय एकता शिविर के तीसरे दिन प्रथम सत्र में देशपर एनएसएस बालनियम को सम्मानित करते हुए मेवाह विश्वविद्यालय ने कुलपति प्रौ. (डॉ.) केएस. राणा ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि एक दूसरे कार्यक्रम कियास जो समझने से हम अधिक तन्मयता से एकीकृत होते हैं। एक-दूसरे में संचार बन हो और गहराई में तुलने हैं। राष्ट्रीय एकता वज्र भाव हमें प्रखर होता है। यही इस राष्ट्रीय एकता शिविर का उद्देश्य है। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में अब हुए एनएसएस बालनियम को सम्मानित करते हुए कहा कि देश के हर राज्य में ऐसे महान व्यक्तिय रहे हैं जिन्होंने राष्ट्र

को एक सुख वे बाधे रखा। उम्मीद है आप यह भी यहाँ से एकता और भाईचारे का सन्देश लेकर जाएंगे। परिचय एड स्थापन भाग्य मेवाह विश्वविद्यालय के इतिहासी आनन्द वर्हन शुक्ल ने दिया। मन्त्रालय उम्म के राष्ट्रीय संघ योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनोज कुमार और धन्यवाद द्वापन उम्म के हां राष्ट्रीय संघ योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रौ. राम्भ नाथ मन्त्रालय ने दिया। शिविर के नीमों हिन सभी एनएसएस बालनियम को चित्तौड़गढ़ किले का भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय एकता शिविर को समन्वयक डॉ. ज्वेलि सिंह राघव, मह समन्वयक डॉ. एल पाल, महायक समन्वयक डॉ. मोनिया सिंगला, डॉ. सुमित चूपार पाण्डेय, गौतम सिंह धाकड़, राज सिंह, रविन्द्र चर्मा, अंकित नवलया, सुरज कुमार, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अनुभव सिंह राठोर, मौजूद हैं। इसके अलावा दिल्ली, जम्मू-काश्मीर, हरियाणा के एनएसएस बालनियम ने हमेहर में खेलकूट गतिविधियों एवं सायफाल में गांधीजीक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। धन्यवाद द्वापन अंगाल एकिल सिल्वो ने किया।